

प्रस्ताव तदनाक : 17/10/2014

माननीय राजस्व मण्डल, मध्य प्रदेश, ग्वालियर (इन्दौर केम्प)

R-3733-PBR/14 के समक्ष

रामसिंह कटारा पिता श्री गलाल कटारा,  
आयु : 38 वर्ष, व्यवसाय : कृषि,  
निवासी : ग्राम-खिंदाखो, तहसील-पेटलावद,  
जिला-झाबुआ (म.प्र.)

विरुद्ध

श्री ~~रामसिंह कटारा~~  
प्रार्थी/अभिभाषक द्वारा दिनांक 17-10-2014  
को प्रस्तुत

675  
17-10-2014

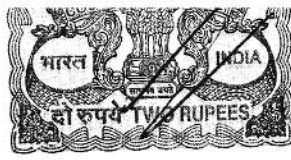
प्रार्थी

-- प्रार्थी  
(मूल रिस्पान्डेन्ट क्रं. 1)

- (1) रमेश वसुनिया पिता श्री मानसिंह वसुनिया,  
आयु : 30 वर्ष, व्यवसाय : नौकरी,  
निवासी : ग्राम-खिंदाखो, तहसील-पेटलावद,  
जिला-झाबुआ (म.प्र.)
- (2) राजू वसुनिया पिता श्री मानसिंह वसुनिया,  
आयु : 24 वर्ष, व्यवसाय : कृषि,  
निवासी : ग्राम-खिंदाखो, तहसील-पेटलावद,  
जिला-झाबुआ (म.प्र.)
- (3) कैलाश चौहान पिता श्री जैमाल चौहान,  
आयु : 40 वर्ष, व्यवसाय : कृषि,  
निवासी : ग्राम-खिंदाखो, तहसील-पेटलावद,  
जिला-झाबुआ (म.प्र.)
- (4) खुमसिंह चौहान पिता श्री लालू चौहान,  
आयु : 45 वर्ष, व्यवसाय : कृषि,  
निवासी : ग्राम-खिंदाखो, तहसील-पेटलावद,  
जिला-झाबुआ (म.प्र.)
- (5) सरपंच, ग्राम पंचायत बखतपुरा,  
जनपद पंचायत पेटलावद,  
जिला-झाबुआ (म.प्र.)
- (6) सचिव, ग्राम पंचायत बखतपुरा,  
जनपद पंचायत पेटलावद,  
जिला-झाबुआ (म.प्र.)

दिनांक 27.10.14  
श्री रामसिंह  
138

-- प्रतिप्रार्थीगण  
(प्रतिप्रार्थी क्रं. 1 मूल अपीलार्थी है)



(2)

## पुनरीक्षण अन्तर्गत धारा 50 मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता

प्रार्थी की ओर सादर निवेदन है कि :-

यह कि, प्रार्थी श्रीमान अपर आयुक्त महोदय, इन्दौर संभाग, इन्दौर द्वारा द्वितीय अपील क्रमांक 553/अपील/2012-13 में पारित आदेश दिनांक 20.08.2014 जिसके द्वारा विद्वान अधिनस्थ न्यायालय द्वारा प्रतिप्रार्थी क्रं. 1/अपीलार्थी की अपील को स्वीकार करते हुए श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी महोदय, पेटलावद, जिला-झाबुआ द्वारा प्रथम अपील क्रं. 56/अपील/2012-13 में पारित आदेश दिनांक 23.07.2013 को अपास्त करते हुए श्रीमान् तहसीलदार महोदय द्वारा प्रकरण क्रमांक 54/ए-56/2011-12 में पारित आदेश दिनांक 01.02.2013 को स्थिर रखा गया है । उक्त आदेश द्वारा श्रीमान् तहसीलदार महोदय ने प्रतिप्रार्थी क्रं. 1 को ग्राम पंचायत बखतपुरा, तहसील-पेटलावद, जिला-झाबुआ के ग्राम- खिंदाखो के कोटवार के पद पर नियुक्ति प्रदान की गई है । विद्वान द्वितीय अपीलीय न्यायालय द्वारा पारित आलोच्य आदेश से परिवेदित होकर यह पुनरीक्षण इस माननीय न्यायालय के समक्ष निम्नलिखित तथ्यों एवं आधारों पर प्रस्तुत हैं :-

R-3733-PBR/14

रामसिंह रमेश

15.12.2015

DD

आवेदक की ओर से सूचना  
उपरोक्त कोई भी उपाख्यत नहीं।  
तीन बार पुकार लगाई गई, फिर  
भी कोई उपाख्यत नहीं। अतः,  
प्रमाण अडम पंजी में खालि  
क्रिया जाना है।

अध्यास

डिवा  
बुआ

डिवा  
र  
र

[कृ. प. उ.]

अध्यास

हस्ताक्षर ~

(पक्षकार या उसके अधिकत प्रतिनिधि द्वारा)